(i) Printed Pages: 7] Roll No. .....

(ii) Questions : 9] Sub. Code : 0 1 1 2

Exam. Code : 0 0 0 2

B.A./B.Sc. (General) 2nd Semester Examination

1047

SANSKRIT

(Elective)

(Katha, Niti Avam Vyakaran)

Time : 3 Hours] **[Maximum Marks : 90**

नोट :– (i) प्रश्न के सभी भागों को एक साथ हल कीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक उनके सामने दिए गए हैं।

(iii) उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न संख्या अवश्य लिखिए और वह भी प्रश्न-पत्र के अनुसार हो।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** का सप्रसंग-अनुवाद कीजिए– 1×5=5

(क) कस्मिंश्चिदधिष्ठाने चत्वारो ब्राह्मणपुत्राः परस्परं मित्रत्वमापन्ना वसन्ति स्म, बाल्यभावे तेषां मतिरजायत्–भो! देशान्तरं

गत्वा विद्याया उपार्जनं क्रियते। अथान्यस्मिन् दिवसे ते ब्राह्मणा परस्परं निश्चयं कृत्वा विद्योपार्जनार्थं कान्य-कुब्जे गता:।

(ख) कस्मिंश्चिज्जलाशये शतबुद्धि: सहस्रबुद्धिश्च द्वौ मत्स्यौ निवसत: स्म। अथ तयोरेक बुद्धि: नाम मण्डूको मित्रतां गत:। एवं ते त्रयोऽपि जलतीरे वेलायां कञ्चित्कालं सुभाषितगोष्ठी-सुखमनुभूयोऽपि सलिलं प्रविशन्ति।

अथ कदाचितेषां गोष्ठीगतानां जालहस्ता धीवरा: प्रभूतैर्मत्स्यै व्यापादितैर्मस्तके विधृतै: अस्तमनवेलायां तास्मिञ्जलाशये समायाता:।

(ग) अथ तैश्य रासभ: उष्ट्रग्रीवायां बद्ध:। तत्तु केनचित् तत्स्वामिनो रजकस्याग्रे ककितम्। यावद्रजकस्तेषां

मूर्खपण्डितानां प्रहारकरणाय समायातास्तावत्ते प्रनष्टाः।

ततो यावदग्रे किञ्चित्स्तोकं मार्गं यान्ति, तावत्काचिन्नदी समासादिता। तस्या जलमध्ये पलाशपत्रमायान्तं दृष्ट्वा पण्डितेनैकेनोक्तम्, 'आगमिष्यति यत्पत्रं तदस्मांस्तारयिष्यति'।

2. निम्न श्लोकों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 2×5=10

(क) कासयुक्तश्चत्यजेच्चौर्यं निद्रालुश्चेत्पुंश्चलीम्।

जिह्वालौल्यं रुजाक्रान्तो, जीवितं योऽत्र वाञ्छति॥

(ख) नान्यद्गीतात्प्रियं लोके देवानामपि दृश्यते।

शुष्कस्नायुस्वराह्लादात् त्र्यक्षं जग्राह रावणः॥

(ग) यत्र स्त्री, यत्र कितवो बालो यत्र प्रशासिता।

तद्गृहं क्षयमायाति भार्गवो हीदमब्रवीत्॥

(घ) एताः स्वार्थपरा नार्यः केवलं स्वसुखे रताः।

न तासां बल्लभः कोऽपि सुतोऽपि स्वसुखं विना॥

3. निम्न कथाओं में से किसी **एक** का सारांश लिखिए– 1×5=5

(i) मूर्खपण्डित चतुष्ट्य कथा।

(ii) मन्थर कौलिक कथा।

4. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 2×5=10

(क) स्वल्पस्नायुवसावसेकमलिनं निर्मांसमप्यधिकं
श्वा लब्ध्वा परितोषमेति न च तत्तस्य क्षुधा शान्तये।
सिंहो जम्बुकमङ्कमागतमपि त्यक्त्वा निहन्ति द्विपं
सर्वः कृच्छ्रगतोऽपि वाञ्छति जन, सत्त्वानुरूपं फलम्॥

(ख) सिंहः शिशुरपि निपतति मदमलिन कपोलभित्तिषु गजेषु।
प्रकृतिरियं सत्त्ववती न खलु वयस्तेजसो हेतुः॥

(ग) तानीन्द्रियाण्यविकलानि तदेव कर्म
सा बुद्धिरप्रतिहता वचनं तदेव।
अर्थोष्मणा विरहितः पुरुषः स एव
त्वन्यः क्षणेन भवतीति विचित्रमेतत्॥

5. निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 5×1=5

(i) अवस्था वस्तूनि प्रथयति संकोचयति च।

(ii) सर्वे गुणा काञ्चनमाश्रयन्ति।

(iii) कुसुमस्तबकस्येव द्वयी वृत्तिः मनस्विनः।

6. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दस** को संस्कृत में लिखिए— 1×10=10

बन्दर, बिल्ली, भैंस, हाथी, हिरन, बत्तख, मोर, चिड़िया, बाज सारस, नारियल, आम, लता, बेल, पराग।

7. (क) निम्न अव्ययों में से किन्हीं **पाँच** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए— 1×5=5

श्वः, ह्यः, वामतः, दक्षिणतः, पुरतः, अन्तः, कथम्, उच्चैः।

(ख) निम्नलिखित अंकों में से किन्हीं **पाँच** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए— 1×5=5

52, 53, 56, 60, 65, 66, 70, 80, 85, 95

(ग) किन्हीं **तीन** ग्रहों और **दो** दिशाओं के नाम लिखिए। 1×5=5

8. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** के रूप लिखिए— 2×5=10

गुरु, मातृ, युष्मद्।

(ख) निम्न धातुओं में से किन्हीं **दो** का निर्दिष्ट लकारों में रूप लिखिए— 2×5=10

स्मृ (लट्लकार), दृश् (लङ्लकार), भू (लृट्लकार), त्यज् (विधिलिङ्लकार)।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 2×5=10

(क) भगवान कृष्ण को नमस्कार है।

(ख) राजा दशरथ के चार पुत्र थे।

(ग) श्याम राम से चतुर है।

(घ) माता पुत्र पर क्रोध करती है।

(ङ) शोर मत करो।

(च) दूध प्रकृति से मीठा होता है।

(छ) विवेकानन्द एक महापुरुष थे।

(ज) माता-पिता की आज्ञा का पालन करो।

(झ) वह एक पैर से लँगड़ा है।

(ञ) आप दोनों क्या खायेंगे?